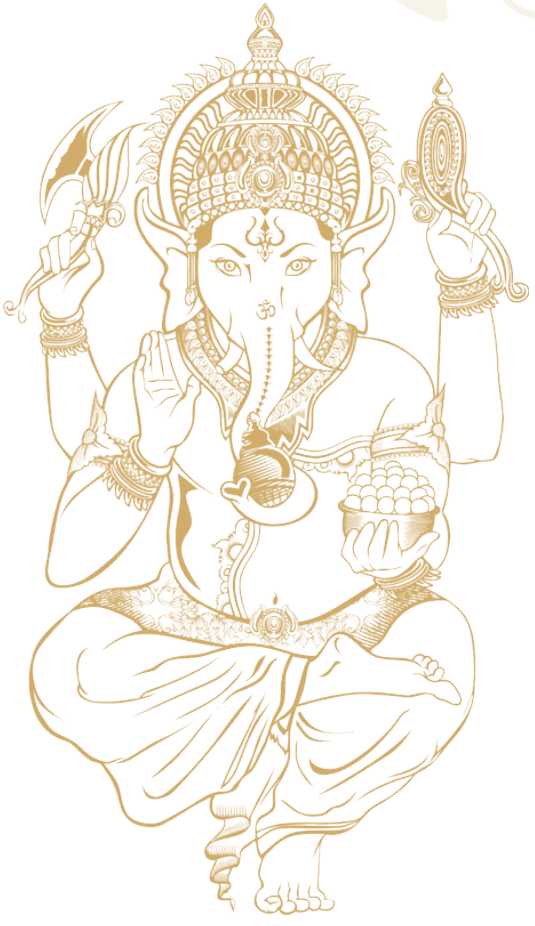

Vishakha sharma

27 Aug 1999

01:47 AM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121883803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/08/1999**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:47:00 घंटे**
इष्ट	49:42:38 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:26:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:59 घंटे
साम्पातिक काल	23:44:45 घंटे
सूर्योदय	05:53:56 घंटे
सूर्यास्त	18:51:00 घंटे
दिनमान	12:57:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:18:06 सिंह
लग्न के अंश	15:48:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:48:08	317:44:16	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	09:18:06	00:57:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	07:30:12	13:13:36	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	01:52:21	00:36:13	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध			कर्क	26:55:23	01:52:12	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मेष	11:07:59	00:00:21	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	29:23:19	00:32:56	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			मेष	23:19:22	00:00:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:06:16	00:01:19	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:06:16	00:01:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:13:30	00:02:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप	व		मक	08:19:31	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	13:54:20	00:00:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	01:59:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:56

लग्न-चलित

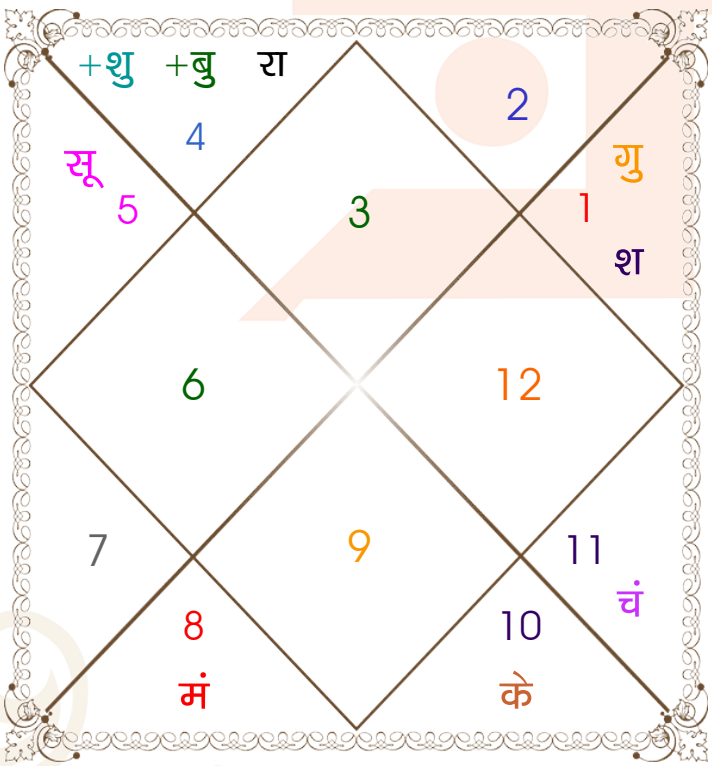

चन्द्र कुंडली

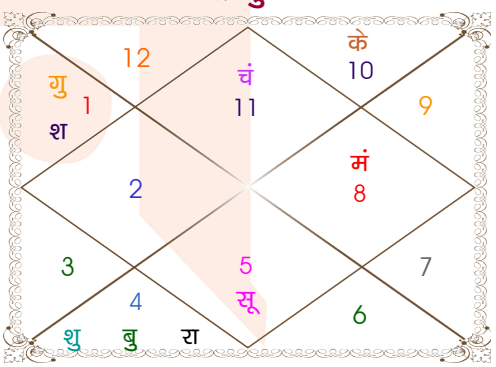

नवमांश कुंडली

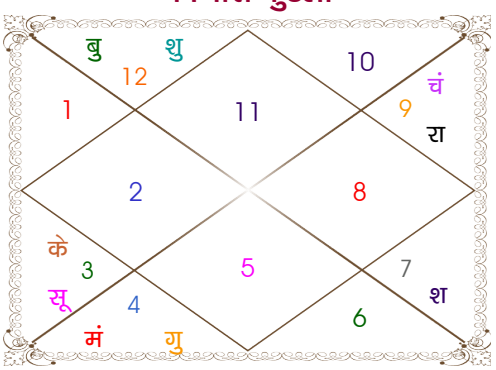

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 10 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/08/1999		10/07/2016		10/07/2032		10/07/2051		10/07/2068	
10/07/2016		10/07/2032		10/07/2051		10/07/2068		10/07/2075	
राहु	22/03/2001	गुरु	28/08/2018	शनि	13/07/2035	बुध	06/12/2053	केतु	06/12/2068
गुरु	16/08/2003	शनि	10/03/2021	बुध	23/03/2038	केतु	03/12/2054	शुक्र	05/02/2070
शनि	22/06/2006	बुध	16/06/2023	केतु	01/05/2039	शुक्र	03/10/2057	सूर्य	13/06/2070
बुध	08/01/2009	केतु	22/05/2024	शुक्र	01/07/2042	सूर्य	10/08/2058	चंद्र	12/01/2071
केतु	27/01/2010	शुक्र	21/01/2027	सूर्य	13/06/2043	चंद्र	09/01/2060	मंगल	10/06/2071
शुक्र	26/01/2013	सूर्य	09/11/2027	चंद्र	11/01/2045	मंगल	05/01/2061	राहु	27/06/2072
सूर्य	21/12/2013	चंद्र	10/03/2029	मंगल	20/02/2046	राहु	26/07/2063	गुरु	03/06/2073
चंद्र	22/06/2015	मंगल	14/02/2030	राहु	27/12/2048	गुरु	30/10/2065	शनि	13/07/2074
मंगल	10/07/2016	राहु	10/07/2032	गुरु	10/07/2051	शनि	10/07/2068	बुध	10/07/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/07/2075		10/07/2095		11/07/2101		11/07/2111		11/07/2118	
10/07/2095		11/07/2101		11/07/2111		11/07/2118		00/00/0000	
शुक्र	09/11/2078	सूर्य	28/10/2095	चंद्र	11/05/2102	मंगल	07/12/2111	राहु	28/08/2119
सूर्य	09/11/2079	चंद्र	28/04/2096	मंगल	10/12/2102	राहु	25/12/2112		00/00/0000
चंद्र	10/07/2081	मंगल	02/09/2096	राहु	10/06/2104	गुरु	01/12/2113		00/00/0000
मंगल	09/09/2082	राहु	28/07/2097	गुरु	10/10/2105	शनि	10/01/2115		00/00/0000
राहु	09/09/2085	गुरु	16/05/2098	शनि	11/05/2107	बुध	07/01/2116		00/00/0000
गुरु	10/05/2088	शनि	28/04/2099	बुध	10/10/2108	केतु	04/06/2116		00/00/0000
शनि	10/07/2091	बुध	05/03/2100	केतु	11/05/2109	शुक्र	04/08/2117		00/00/0000
बुध	10/05/2094	केतु	11/07/2100	शुक्र	10/01/2111	सूर्य	10/12/2117		00/00/0000
केतु	10/07/2095	शुक्र	11/07/2101	सूर्य	11/07/2111	चंद्र	11/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।